बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग- १ कार्यवाही-प्रश्नोत्तर)

(बुधवार, तिथि ७ जुलाई १९७६ ई० ।)

विषय-सूची ।

	पृष्ठ
प्रश्नों के लिखित उत्तर:	
बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली के नियम ४ II के परन्तुक के अन्तर्गत सभा मेज पर रखे गये प्रश्नों के लिखित उत्तर ।	१-२
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :	
अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर संख्या : २० एवं २१	२—१४
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या : ५६५, ९७०-९७४, ९७६, ९८५, ९८८-९९३, ९९७, ९९९, १००१, १००३-१००६, १००९-१०११, १०१५, १०१६, १०२०-१०२२, १०२४, १०२६, १०२७, १०३०, १०४१ ।	१४—६०
अतारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :	
परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	६१—१४६
दैनिक निबंध	१४७-१४८

टिप्पणी : —जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के आगे (*) चिन्ह लगा दिया गया है ।

श्री रामलखन सिंह यादव—अध्यक्ष महोदय, अब तो यह पता लगाना होगा कि वहां से जो मैसेन्जर जवाब लेकर चला है वह जिन्दा है, या मर गया या किडनैप कर लिया गया है—इसकी क्या स्थिति है और इसके लिए पुलिस में रिपोर्ट हुई या नहीं ?

(हल्ला)।

श्री करमचन्द भगत—अध्यक्ष महोदय, इसके लिए समय दिया जाय। जैसा कि हमें सूचना मिली है कि वहां से मैसेन्जर चल चुका है लेकिन आज तक रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है, इसलिए अगली तिथि तक के लिए समय दिया जाय, इसका जवाब दिया जायगा।

श्री रामजी सिंह—अध्यक्ष महोदय, ऐसे ऐसे मंत्रियों की मुख्य मंत्री रक्षा करें।

श्री शकूर अहमद—अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि इनको डी० एम० से कब बात हुई थी कि वहां से स्पशल मैसेन्जर चल चुका है।

श्री करमचन्द भगत—कल जब विधान सभा का सत्र समाप्त हुआ, तब मैं अपने औफिस गया और सभी प्रश्नों के बारे में हम रिभ्यू कर रहे थे। विभाग के हमारे सेक्रेटरी ने कहा उनसे हमारी बातें टेलीफोन से हुई हैं। इसके बाद औफिस में कल शाम को मैंने टेलीफोन लगाया तब उन्होंने कहा कि यहां से स्पेशल मैसेन्जर चल चुका है। मैंने सबेरे तक इन्तजार किया, लेकिन मुझे रिपोर्ट नहीं मिल सकी है।

अध्यक्ष—ठीक है। छोड़िये।

तारांकित प्रश्नोत्तर :

पेयजलापूर्त्ति योजना।

*५६५। श्री युगल किशोर प्रसाद—क्या मंत्री, नागरिक विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया नगरपालिका क्षेत्र में पेयजल की समुचित व्यवस्था के लिए १९७४-७५ वर्ष में एक योजना सरकार द्वारा बनायी गयी थी जिसपर अबतक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है ;

(२) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार गया नगरपालिका क्षेत्र में शीघ्र पेयजल की आपूर्त्ति हेतु उक्त योजना को कबतक पूरा करने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

अध्यक्ष—मंत्री महोदय, इस प्रश्न के एक विन्दु पर मैं आपको बता दूं या आपको याद है ? मौलिक प्रश्न यह है कि आप एक महल्ले के बारे में कह रहे हैं या पूरे शहर के बारे ? अगर आपकी कुछ शंका है और पूरी जानकारी नहीं है, तो मैं इसे स्थगित कर देता हूं। आप पूरी जानकारी प्राप्त करके उत्तर दें।

श्री करमचन्द भगत—अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न २० तारीख को पूछा गया था और आपके नियमन के बाद स्थगित हुआ था। प्रश्न यह है कि १९७४-७५ वर्ष में एक योजना सरकार द्वारा बनायी गयी थी जिस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। इसके बारे में मैंने जवाब दिया था कि गया की अनुग्रहपुरी के लिए एक योजना प्राप्त हुई थी और १९७४-७५ में ५ लाख रुपये की राशि आवंटित की गयी थी और बाद में फिर ५ लाख रुपया आवंटित किया गया। १९७४-७५ में गया की कोई योजना हमारे पास नहीं है।

श्री युगल किशोर प्रसाद—गया शहर के लिए पी० एच० ई० डी० की ओर से ७५ लाख रुपयें की एक योजना है, जो गया में समुचित जल व्यवस्था हेतु है। पता नहीं, मंत्री जी कैसे कह रहे हैं कि यह योजना नहीं मिली है। वह तो विभाग की बात है। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि १९२२ में गया में समुचित जल व्यवस्था हेतु जो पाईप लाईन बिछायी गयी थी क्या उसके बाद दूसरी कोई भी पाईप लाईन अभी तक बिछायी गयी है, जिससे कि लोगों को जलापूर्ति हो सके। १९२२ में गया की आबादी २५ हजार थी और आज गया की आबादी ३ लाख हो गयी है।

अध्यक्ष—शांति। आप बैठ जाइये। मुझे जहां तक स्मरण है, आपने पिछले दिन कहा था कि पूरे शहर के लिए ७० या ७५ लाख रुपये की योजना विचाराधीन है या बनायी गयी है। इसी पर मैंने, जब आपने एक महल्ले के बारे में बतलाया था तो जानना चाहा था सदन के माननीय सदस्यों की ओर से कि दरअसल पूरे शहर के लिए कोई योजना बनी है या नहीं, विचाराधीन है या नहीं, कार्यान्वित होने वाली है या नहीं, यह बताइये।

श्री करमचन्द भगत—अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने कहा, १९७४-७५ की जो भी योजना वहां से आयी है, उसका जवाब पहले दिया जा चुका है। इसके अलावा कोई दूसरी योजना नहीं है।

अध्यक्ष—वही ५ लाख की ?

श्री करमचन्द भगत--१६ लाख ६८ हजार की।

श्री युगल किशोर प्रसाद—१९२२ के बाद कोई योजना नहीं बनाई गयी है, तो क्या इसके लिए सरकार का कोई उत्तरदायित्व नहीं है ? बार-बार सदन के सामने आया, वहां मंत्री गये हैं और लोगों ने रिप्रेजेनटेशन भी दिया है, लेकिन मंत्री जी कह रहे हैं कि १६ लाख की योजना है, वह भी ऐक्जीक्यूट नहीं हो रही है। मैं कहता हूं कि पी० एच० ई० डी० मे ७५ लाख रुपये की योजना पड़ी हुई है। इसको मंत्री जी दिखलवाये और ठीक से देखें। मैं चाहूंगा, अध्यक्ष महोदय, कि आज भी इस प्रश्न को स्थगित किया जाय और मंत्री जी को समय दिया जाय कि वे इसकी जानकारी प्राप्त करें कि ७५ लाख की योजना है या नहीं।

श्री करमचन्द भगत--अध्यक्ष महोदय, मैंने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर दे दिया है, इसलिए इसको स्थगित करने का प्रश्न ही नहीं उठता है।

श्री रामशरण प्रसाद सिंह--अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय, ने यह बतलाया कि १६ लाख रुपया खर्च हुआ, यह १६ लाख रुपया.....।

सदस्यगण--खर्च नहीं हुआ है, १६ लाख की योजना है।

श्री रामशरण प्रसाद सिंह—मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जो रुपया आवंटित किया गया है, उस योजना से गया जिले के कितने लोगों को जलापूर्ति होती है।

श्री करमचन्द भगत—यह योजना अभी प्रोग्रेस में है। जब तक यह योजना पूरी नहीं हो जाती है, इससे कितने लोगों को जलापूर्ति होगी, इसका जवाब कैसे दिया जायगा ?

अध्यक्ष- दरअसल योजना पूरे शहर के लिए है या योजना किसी मुहल्ले के लिये है ?

श्री करमचन्द भगत--अध्यक्ष महोदय, यह योजना गया की अनुग्रहपुरी के लिए है।

अध्यक्ष--पुरे शहर के लिए कोई योजना नहीं है, अनुग्रहपुरी के लिए यह है ?

श्री रामलखन सिंह यादव—अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि यह जो योजना है, इससे कितनी संख्या में लोग लाभान्वित होंगे और कब तक यह योजना पूरी होगी ?

श्री करमचन्द भगत—अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले दिन के उत्तर में कहा था कि योजना की स्वीकृति होने के बाद ५ लाख रुपया दिया गया था, फिर ५ लाख रुपया दिया गया है १६ लाख ६८ हजार रुपये की कुल योजना है, जिसमें से १० लाख इपया दिया चुका है, कार्य प्रगति में है।

श्री रामलखन सिंह यादव—मैं जानना चाहता हूं कि यह योजना कब तक पूरी होगी और इससे कितने लोग लाभान्वित होंगे। १० लाख रुपया इन्होंने दिया है, तो यह रुपया कहां जा रहा है, पानी की तरह बह रहा है, कुछ योजना भी है या यूं ही १० लाख रुपया किसी को दे दिया गया है ?

श्री करमचन्द भगत—लाभान्वित होनेवाले लोगों की जनसंख्या के बारे में जानकारी नहीं है।

श्री रामलखन सिंह यादव—कबतक पूरी होगी, कुछ शिड्युल है, पैसा कहीं फल्गू में तो नहीं बह रहा है ?

अध्यक्ष—फल्गू में बहती होगी तो बालू के नीचे।

श्री करमचन्द भगत—१९७७-७८ वर्ष तक योजना पूरी होगी।

अध्यक्ष—गया शहर की आबादी कितनी है और कितने लोगों को लाभ होगा ?

श्री करमचन्द भगत—मैंने कहा कि नयी कालोनी के लिये यह योजना है।

श्री आजम—कोई योजना होती है तो उसका टेंडर होता है तो मैं जानना चाहता हूं कि इस योजना का कब टेंडर हुआ और उसका वर्क आर्डर कब दिया गया।

(जवाब नहीं दिया गया।)

तारांकित प्रश्न संख्या ९६८ और ९६९—नहीं पूछे गये।